### गुस्ताखी माफ: पवन कुमार बंसल

## गीता ज्ञान की बदौलत भ्रष्टाचार के आरोपी विजय दहिया अभी भी अपनी सीट पर कायम

**भ्र**ष्टाचार के मामले में एसीबी की गिरफ्त में आए विजय दहिया ने अभी भी निगम का प्रभार संभाल रखा है। मान भी लिया जाए कि सक्षम न्यायालय से दोषी करार दिए जाने तक कोई भी व्यक्ति निर्दोष होता है तो भी यह तकाजा बनता ही है कि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप होने के कारण उन्हें इस पद से हटा दिया जाना चाहिए। इस पद पर रहते हुए वह कार्यालय के दस्तावेजों से छेड़छाड़ कर सकते हैं या उन सुबूतों को मिटा सकते हैं जो उन्हें दोषी सिद्ध करने में मददगार साबित हों।

विजय दहिया के लिए रिश्वत के पैसे इकट्ठे करने वाली महिला को जब दो लाख रुपये लेते हुए विजिलेंस ने गिरफ्तार किया तो उसके बयानों के आधार पर विजिलेंस वालों ने विजय दहिया को भी अपने यहां बुला कर बैठा लिया था। विजय दहिया को गीता का ज्ञान देने वाले तथाकथित संत ज्ञानानंद को जब इस बात का पता लगा तो उसने तुरंत सीएम खट्टर को फोन कर उसे छुड़वाने के लिए कहा। बस फिर क्या था, खट्टर ने तुरंत विजिलेंस चीफ शत्रुजीत कपूर को आदेश दिया और भ्रष्टाचार का ज्ञानी विजय सिंह दहिया पिंजड़े से बाहर निकल आया। बाहर तो जरूर निकल आया परंतु सरकारी खर्चे पर ऑस्ट्रेलिया यात्रा के मजे लेने से वंचित हो गया। खट्टर द्वारा दहिया को पिंजरे से निकालने को लेकर शिकायतकर्ता मनचंदा ने विरोध प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री मनोहरलाल से उन्हें वर्तमान पद से हटाने का अनुरोध किया है, उनका दावा है कि विजय दहिया को दोषी साबित करने के लिए उनके पास पर्याप्त सुबूत हैं।

बताया जाता है कि तथाकथित सरकारी संत ज्ञानानंद गीता का ज्ञान बांटने एक प्रतिनिधिमंडल को लेकर ऑस्ट्रेलिया निकल गया है जिसमें दहिया को भी जाना था। धर्म प्रचार की आड़ में सरकारी खर्च पर पर्यटन करने वालों में राज्य के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री विज का भी नाम बताया जाता है। सुधी पाठक बखूबी समझ सकते हैं कि भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने वाले यह सरकारी संत कौन सी गीता का ज्ञान बांट रहे हैं।


Paytm

MM

Majdoor Morcha

UPI ID: 8851091460@paytm

8851091460

Scan this QR or send money to 8851091460 from any app. Money will reach in Majdoor Morcha's bank account.

केवल पाठकों के दम पर चलने वाले इस अखबार को सहयोग देकर अपनी आवाज को बुलंद रखें।

मज़दूर मोर्चा- खाता संख्या- 451102010004150

IFSC Code : UBIN0545112

Union Bank of India, Sector-7, Faridabad



## घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लबगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919
6. सुरेन्द्र बघेल-बस अड्डा होडल - 9991742421


# गदपुरी टोल अवैध : हाईकोर्ट कमीशन, फिर भी लूट रहेगी जारी

**पलवल ( मज़दूर मोर्चा )** पहले कांग्रेस सरकार ने और अब भाजपाई मोदी सरकार ने अनिल अम्बानी को दिल्ली-आगरा राजमार्ग पर लूट का लाइसेंस दे रखा है। टोल नियमों के अनुसार सड़क अथवा पुल का निर्माण कार्य पूरा करने के बाद ही कोई ठेकेदार टोल वसूली कर सकता है। लेकिन अम्बानी परिवार की उंगलियों पर नाचने वाली सरकारों ने करीब 12 वर्ष पूर्व बनी-बनाई सड़क लूटने के लिये उसके हवाले कर दी थी। शुरू में पहला टोल नाका गांव औरंगाबाद के निकट तथा दूसरा मथुरा के बाद बनाया गया था। लेकिन लूट की भूख शांत करने के लिये अम्बानी को गदपुरी का नाका भी दे दिया गया।

इस नाके को लेकर कुछ नेताओं ने विरोध प्रदर्शन एवं धरने आदि का कार्यक्रम भी चलाने का प्रयास किया। नेताओं के प्रति विश्वास की कमी को लेकर इसमें जनता की व्यापक भागीदारी न हो सकी। लिहाज़ा पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की शरण में जाना पड़ा। अगस्त 22 में याचिका दायर की गई। इसमें स्पष्ट बताया गया था कि यह टोल पूरी तरह से अवैध है। न तो ठेकेदार ने काम पूरा किया है और न ही एक टोल नाके से दूसरे के बीच होने वाले फासले की शर्त का पालन किया है। सब कुछ साफ-साफ दिखने के बावजूद हाईकोर्ट ने 30 नवम्बर की डेट लगा दी, लेकिन टोल की लूट पर कोई रोक नहीं लगाई

30 नवम्बर को सुनवाई करते हुए टोल नाके की वैधता जांचने के लिये कोर्ट ने एक कमीशन नियुक्त कर दिया, लेकिन लूट पर कोई रोक न लगाई। हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल के मुताबिक 19 अप्रैल को इस कमीशन ने अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंप दी जिसमें टोल नाके को पूर्णत: अवैध बताया गया है। इसके बावजूद कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिये 12 जुलाई रख दी है। लेकिन टोल द्वारा लूट पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

यानी कि कोर्ट में सुनवाई का नाटक भी चलता रहेगा और टोल कम्पनी द्वारा जनता की लुटाई भी होती रहेगी। अभी यह भी नहीं कहा जा सकता कि 12 जुलाई के बाद और कितनी तारीखें लगेंगी?

किसान आन्दोलन के दौरान पूरे हरियाणा-पंजाब उत्तर प्रदेश व राजस्थान के तमाम टोल नाकों द्वारा लूट को किसानों ने पूरी तरह से साल भर से अधिक बंद करे रखा। इसके लिये उन्हें किसी कोर्ट का मोहताज नहीं होना पड़ा था। यदि राजनेताओं के पल्ले भी कोई सौदा होता तो वे भी कोर्ट-कोर्ट खेलने की बजाय टोल नाके से मुक्ति पा सकते थे। लगता है कि आज कल अदालतें भी वैसा ही कुछ करती है जैसा कि सरकार चाहती है।

# स्वास्थ्य विभाग ने चलाया मलेरिया रोधी अभियान

**करनाल।** सिविल सर्जन करनाल डॉ. योगेश शर्मा कि अध्यक्षता में मंगलवार को विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। मलेरिया की बीमारी को कम करने के लिए हार्नेस इनवेंशन किया गया। विश्व मलेरिया दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने मलेरिया के बारे में जनता में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न स्कूलों में पेंटिंग व स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसके तहत बच्चों ने उपरोक्त प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

उन्होंने बताया कि इसके साथ-साथ इस वर्ष स्वास्थ्य विभाग करनाल द्वारो विभिन्न गांवों तथा करनाल शहर में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। जिसके लिए करनाल शहर में नगर-निगम व गावों में पंचायतों के सफाई कर्मचारियों के सहयोग से नालियों व घरों के आस-पास सफाई करवाई गई तथा स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने दवाई का छिड़काव किया। स्वास्थ्य विभाग ने 12 गांवों में विषेश सफाई अभियान चलाया तथा मलेरिया की रोकथाम व बचाव के लिए जनता से सहयोग की अपील की।

करनाल शहर में विश्व स्वच्छता अभियान के तहत नगर निगम के सहयोग से बसंत विहार व कर्ण विहार कालोनियों में स्वच्छता अभियान चलाया जिस के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने 1162 घरो का दौरा किया तथा जनता को मलेरिया से बचाव व रोकथाम के बारे में जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने वसंत विहार व कर्णविहार के पार्षद व आर.डब्लू.ए के सदस्यों से भी मीटिंग की तथा करनाल को मलेरिया मुक्त बनाने के लिए सहयोग की अपील की।

उप सिविल सर्जन डॉ. मंजू पाठक ने मलेरिया के बचाव, उपायों के तरीकों के बारे मे विस्तृत जानकारी दी। उन्होने बताया कि छतों पर बेकार पड़े खाली बर्तनों, टायरों-टयूबों, डिब्बों, गमलो व अन्य पानी के स्त्रोतों इत्यादि मे से पानी निकलवा दें व उल्टा करके रखे ताकि उनमे पानी जमा न हो पाए व खाली पड़े टायरो मे सुराख कर दें। घरों के आस-पास पानी खड़ा न होने दे।

यदि किसी कारणवश पानी की निकासी न हो तो उसमे थोड़ा मिट्टी का तेल, काला तेल, डीजल इत्यादि डाल दें ताकि मच्छर का लारवा पनपने न पाए। बुखार होने पर केवल पैरासीटामोल का प्रयोग करें तथा तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर खून की जांच कराये तथा मलेरिया होने पर 14 दिनो की दवाई खाये।

## सोई हुई सरकार है, चोरों की भरमार है : त्रिलोचन सिंह

**करनाल** (आजाद शर्मा)सीएम सिटी में चोरी की बढ़ती वारदातों और पंगु होती कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला सचिवालय में प्रदर्शन किया। जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह की अगुवाई में एएसपी को ज्ञापन सौंप कर क्राइम गतिविधियों पर अंकुश लगाने की मांग की गई। कांग्रेस कार्यकर्ता 'सोई हुई सरकार है चोरियों की भरमार है' के नारे लगाकर सरकार को कोसते रहे।

इस मौके पर जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह ने कहा कि करनाल में पिछले एक महीने में चोरी की बड़ी वारदातों को अंजाम दिया गया। सेक्टर पांच, सेक्टर छह और बुढ़ाखेड़ा में जहां चोरों ने लाखों रुपए के सामान पर हाथ साफ किया, वहीं गरीबों की झोपड़ियों को भी नहीं छोड़ा। खेद की बात है कि लगभग 40 दिन पहले ई-दिशा केंद्र में हुई 25 लाख रुपए की चोरी का भी पुलिस अभी तक कोई सुराग नहीं लगा पाई। त्रिलोचन सिंह ने कहा कि करनाल के लोग दहशत में है। आपराधिक वारदातों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। पुलिस सुरक्षा देने में विफल साबित हो रही है। यूपी-हरियाणा बोर्डर पर ईमानदार पुलिस अधिकारियों की डयूटी लगाई जाए। कांग्रेस करनाल पुलिस कप्तान से मांग करती है कि शहर के लोगों की सुरक्षा के मद्देनजर शहर में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए। अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाया जाए। पीसीसी सदस्य राजेश वैध और युवा जिला प्रधान मनिंद्र शंटी ने कहा कि करनाल का माहौल बिगड़ रहा है, समय रहते अपराधियों पर नकेल कसी जाए। पार्षद पप्पू लाठर व रानी कांबोज ने कहा कि क्राइम बढने से कर्ण नगरी के लोग दहशत में जी रहे हैं।

इस अवसर पर जिला संयोजक त्रिलोचन सिंह, पीसीसी सदस्य राजेश वैध, युवा जिला प्रधान मनिंद्र सिंह शंटी, पार्षद पप्पू लाठर, सतपाल सरपंच जाणी, पूर्व पार्षद सुखबीर सिंह, होशियार सिंह, ललित अरोड़ा, प्रकाशवीर, रानी कांबोज, राज भारद्वाज, सुरजीत सैनी, गगन मेहता मौजूद थे।

## सरकार खिलाड़ियों के मामले में चुप क्यों : सुमिता सिंह

**करनाल।** पूर्व विधायक सुमिता सिंह ने मंगलवार को प्रदेश के पहलवानों की ओर से दिल्ली में धरने को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि सरकार पिछले 4 महीने से इस मामले में कार्रवाई की जगह इसे दबाने का प्रयास कर रही है इसके नतीजे के तौर पर पहलवानों को फिर से धरना देना पड़ रहा है सरकार को खिलाड़ियों के साथ इंसाफ करना चाहिए। इस मामले में चुप्पी साध कर बैठना ठीक नहीं। दिल्ली में धरना दे रहे ज्यादातर खिलाड़ी हरियाणा के हैं और हरियाणा सरकार इस मामले में चुप है। इन खिलाड़ियों की सही जगह खेल का मैदान है स्टेडियम है लेकिन इन्हें सड़क पर प्रदर्शन करना पड़ रहा है। महिला पहलवानों ने कुश्ती संघ के पदाधिकारियों पर जो आरोप लगाए वह बहुत गंभीर हैं इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए भाजपा सरकार द्वारा इस मामले में कोई कार्यवाही ना करना चिंता का विषय है वैसे तो भाजपा सरकार महिलाओं के ऊपर बड़े-बड़े नारे देती है लेकिन जब इंसाफ की बात आती है तो वह गूंगी और बहरी हो जाती है।

उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार में बेटियों का क्या हाल हो रहा है यह सब जानते हैं सरकार के कुछ बड़े अधिकारी व मंत्री तक बेटियों का शोषण करने में लिप्त हैं व आंखें बंद करके तमाशा देखती है सरकार द्वारा महिला पहलवानों को इंसाफ न मिलने से उनको कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा।